नाच रहे हनुमान छमा छम

नाच रहे हनुमान छमा छम

नाच रहे, हनुमान, छमा छम , नाच रहे हनुमान ॥
हाथो में, खड़ताल विराजे , सीने में सिया राम ,
नाच रहे, हनुमान, छमा छम.....

राम नाम की, धुन पे नाचे, "राम नाम मतवाला ।
पाव में घुंघरू, छम छम बोले, "जपे राम की माला ॥
रोम रोम में, राम समाए*, धरे राम का ध्यान ,
नाच रहे, हनुमान, छमा छम.....

बाल बुद्धि, विद्या के दाता, "शंकर के अवतारी ।
राम चरण की, सेवा इनको,"अपनी जान से प्यारी ॥
ऐसा सेवक, हुआ ना होगा , ढूँढा सकल जहान ,
नाच रहे, हनुमान, छमा छम.....

रंग सिंधूरी, प्यारा लागे, "शीश मुकुट है निराला " ।
जब जब संकट, आया इस ने, धरा रूप विक्राला ॥
लाल लंगोटा, हाथ में सोटा, इतनी है पहचान ,
नाच रहे, हनुमान, छमा छम.....

अपने भक्तों, की हनुमत ने, "बात कभी ना टाली" ।
जिन पे इनकी, दया हो जावे, "उसकी रोज दीवाली" ॥
नाम जपे जो, इनका नरसी, मिटे कष्ट तमाम ,
नाच रहे, हनुमान, छमा छम.....।

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33388/title/NACH-RAHE-HANUMAN-CHHAMA-CHHAM

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |